टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, (भाग–१)

मई–२०११ परीक्षा

विषय :विशेष साहित्यकार–उपन्यासकार प्रेमचंद (H-104)

दिनांक : २१/५/२०११ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात: १०.०० से दो. १.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

पाठ्यपुस्तके : १) गोदान
२) सेवासदन
३) निर्मला
४) गबन
५) रंगभूमी
} प्रेमचंद

प्रश्न १. अ) 'उपन्यासों के लिए कथानकों का चुनाव प्रेमचंद ने अपने आस–पास से किया है' पठित किन्हीं दो उपन्यासों के आधारपर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) पठित उपन्यासों के आधारपर प्रेमचंद के उपन्यासों के सृजन के उद्देश स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २. अ) 'प्रेमचंद ने अपने नायकों की तुलना में नायिकाओं का चरित्र अधिक सशक्त और प्रभावी गुणों से चितारा है' इस कथन की चर्चा 'गबन'की 'जालपा' और 'गोदान'की धनिया के संदर्भ में कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'सेवासदन' और निर्मला उपन्यासों में प्रेमचंद ने नारी जाति की कौन सी समस्या का चित्रण किया है?

प्रश्न ३. अ) प्रेमचंद के उपन्यासों में लेखक का समकालीन युग किसप्रकार प्रतिबिंबित हुआ है? **(२०)**

अथवा

ब) 'गोदान' में वर्णित समस्याएँ आज भी किस प्रकार मौजूद हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) मेरे कारण न लाना चाहते हों तो मुझे मेरे घर भेज दीजिए मैं वहाँ आराम से रहूँगी।

२) बडे आदमियों को अपनी नाक दूसरों की जानसे प्यारी होगी. हमें तो अपनी नाक इतनी प्यारी नहीं।

३) अपना सर्वनाश करने के लिए तुम्हें अपने घर नहीं लाया, सुखी जीवन को और भी सुखमय बनाना चाहता था।

४) 'मेरे पति निर्दोष हैं'।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) असहयोग आंदोलन और प्रेमचंद ।

२) प्रेमचंद–साहित्य में गांधीवाद।

३) रंगभूमि का सूरदास।

४) प्रेमचंद की सुखी परिवार की कल्पना ।

———